हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 106 देहरादून, बुधवार, 12 अक्टूबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एम्स के ट्रामा रथ का फ्लैग ऑफ किया

3

मुख्यमंत्री धामी ने सपत्नीक किये बाबा केदार के दर्शन, निर्माण कार्यों का भी लिया जायज़ा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

केदारनाथ , 11 अक्टूबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्री केदारनाथ में पूजा-अर्चना कर बाबा केदार से प्रदेश एवं प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्री केदारनाथ में पधारे साधु-संतों से भेंट भी की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर श्री केदारनाथ में चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि यात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत श्री केदारनाथ में हर संभव सुविधा उपलब्ध कराई जाए। सभी निर्माण कार्य तय समय सीमा के अन्दर पूर्ण किये जाएं। मुख्यमंत्री ने श्री केदारनाथ में बाबा केदार के दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं से बातचीत भी की।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग मयूर दिक्षित को निर्देश दिये कि यह प्रयास किये जाएं कि श्री केदारनाथ में बाबा केदार के दर्शन के लिए पहुंचने वाले 15 से 20 हजार श्रद्धालुओं को प्रतिदिन ठहरने की उचित व्यवस्था रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां आने वाले श्रद्धालु देवभूमि का अच्छा संदेश लेकर देश-दुनिया में जाएं, इसके लिए श्रद्धालुओं को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने के प्रयास सरकार द्वारा किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में भव्य एवं दिव्य केदारपुरी का निर्माण हो रहा है। श्री केदारनाथ के निकटवर्ती स्थानों को आध्यात्मिक पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए योजना बनाई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में श्री केदारनाथ एवं गौरीकुण्ड से केदारनाथ पैदल मार्ग पर अध्यात्म एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत अनेक कार्य किये जा रहे हैं।

इस अवसर पर बद्री-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेन्द्र अजय, अजय सेमवाल, दिनेश उनियाल जिला अध्यक्ष भाजपा, वरिष्ठ तीर्थ पुरोहित श्रीनिवास पोस्ती, विनोद राणा सदस्य जिला पंचायत कालीमठ, अध्यक्ष जिला पंचायत सुमंत तिवारी, विनोद शुक्ला, अपर मुख्य कार्य कारी अधिकारी केदारनाथ योगेन्द्र सिंह आदि उपस्थित थे।

महिलाओं के क्षैतिज आरक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंची प्रदेश सरकार, विशेष अनुमति याचिका दाखिल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 अक्टूबर। राज्य की मूल निवासी महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण दिलाने के लिए प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दाखिल कर दी है। सुप्रीम कोर्ट में उत्तराखंड सरकार की एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड वंशजा शुक्ला ने एसएलपी दाखिल की है। उन्होंने इसकी पुष्टि की है। इसके साथ ही विधि विभाग के परामर्श के बाद सरकार ने अध्यादेश लाने की भी तैयारी कर ली है। 12 अक्तूबर को होने वाली कैबिनेट की बैठक में अध्यादेश के प्रस्ताव को मंजूरी दी जा सकती है।नैनीताल हाईकोर्ट ने राज्य लोकसेवा आयोग की राज्य (सिविल) प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा में उत्तराखंड मूल की महिला अभ्यर्थियों को 30 फीसदी क्षैतिज आरक्षण

देने वाले 2006 के शासनादेश पर रोक लगा दी थी। अदालत की रोक के बाद राज्य में विभिन्न पदों के लिए चल रही भर्ती में क्षैतिज आरक्षण को लेकर असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई। फैसले को लेकर पहले दिन से सरकार ने इसे उच्च अदालत में चुनौती देने के संकेत दे दिए थे। मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव ने भी इस संबंध में कार्मिक, न्याय और विधि विभाग से जुड़े अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल करने और अध्यादेश लाने की तैयारी के निर्देश दिए थे। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला कर लिया था।

एओआर के माध्यम से दाखिल की एसएलपी

राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में राज्य की एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड (एओआर) वंशजा शुक्ला के माध्यम से विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दाखिल की। एओआर शुक्ला के मुताबिक, याचिका दाखिल होने के बाद अब न्यायालय में आगे की कार्यवाही की जाएगी।पैरवी में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से ले सकते हैं सहयोगराज्य सरकार महिलाओं के क्षैतिज आरक्षण के मामले में दाखिल की गई एसएलपी मामले में मजबूत पैरवी के लिए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता का सहयोग ले सकती है। शासन स्तर पर इस संबंध में प्रयास शुरू हो गए हैं।

अध्यादेश लाने का प्रस्ताव भी तैयार

सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल करने के साथ ही राज्य सरकार ने महिला क्षैतिज आरक्षण को बनाए रखने के लिए अध्यादेश लाने का प्रस्ताव तैयार कर लिया है। कार्मिक विभाग की ओर से आगामी 12 अक्तूबर को प्रस्तावित कैबिनेट की बैठक में यह प्रस्ताव आ सकता है। विधि मामलों के जानकारों के मुताबिक, अध्यादेश के जरिये सरकार भर्तियों में महिलाओं के क्षैतिज आरक्षण को लेकर बने असमंजस को खत्म कर सकती है। बाद में छह महीने के दौरान सरकार विधानसभा में विधेयक लाएगी।

10 लाख फेसबुक यूजर्स का डाटा चोरी, मेटा ने बताया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 अक्टूबर। मेटा ने अपने फेसबुक यूजर्स को डाटा चोरी की वॉर्निंग दी। मेटा ने बताया कि एंड्रॉयड और iOS की कई ऐप्स ने उनके लॉगिन क्रेडेंशियल्स चोरी कर उनका मिसयूज किया। करीब 10 लाख फेसबुक यूजर्स के लॉगिन क्रेडेंशियल्स चोरी होने का मामला सामने आया।

ज्यादातर फोटो एडिटर, गेम, VPN सर्विस, बिजनेस और यूटिलिटी ऐप्स में ही इस तरह की गड़बड़ी सामने आईं।मेटा ने अपने यूजर्स की सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए गूगल प्ले स्टोर और एपल स्टोर पर मौजूद इस तरह के 400 ऐप्स का पता लगाया। इन ऐप्स को यूज करने वाले यूजर के फेसबुक क्रेडेंशियल्स चोरी कर उनका इस्तेमाल गलत कामों में हो रहा था।मेटा में थ्रेट डिसरप्शन डायरेक्टर डेविड एग्रेनॉविच और मैलवेयर डिस्कवरी और डिटेक्शन इंजीनियर रायन विक्टरी ने बताया कि उन्होंने एपल और गूगल से इन मैलिशियस ऐप्स की जानकारी शेयर कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी इस बात की जानकारी शेयर की। गड़बड़ी की इन्फॉर्मेशन मिलते ही गूगल और एपल ने अपने प्लेटफॉर्म से इन ऐप्स को हटा दिया।

नई ऐप पर न डालें लॉगिन क्रेडेंशियल्स

मेटा ने डाटा चोरी की बात उजागर करते हुए यूजर्स के लिए सेफ्टी मेजर्स भी जारी किए। यूजर्स किसी भी नई ऐप को डाउनलोड करने के बाद ध्यान रखें कि वे आपसे यूजर क्रेडेंशियल्स न मांगे। इस तरह के ऐप्स को यूज करने में आपको सावधानी बरतनी होगी।कंपनी ने सोशल मीडिया इंडस्ट्री में सिक्योरिटी रिसर्चर, पोलिसी मेकर्स से इस तरह के थ्रेट्स से बचने के सॉल्यूशन मांगे।

इन ऐप्स ने शेयर की इन्फॉर्मेशन

फोटो एडिटर ऐप जो आपका कार्टून बनाने की परमिशन मांगे।कंटेंट और वेबसाइट ब्लॉक कर ब्राउजिंग स्पीड बढ़ाने वाले VPN ऐप।फ्लैश लाइट बढ़ाने जैसे यूटिलिटी ऐप।हाई क्वालिटी

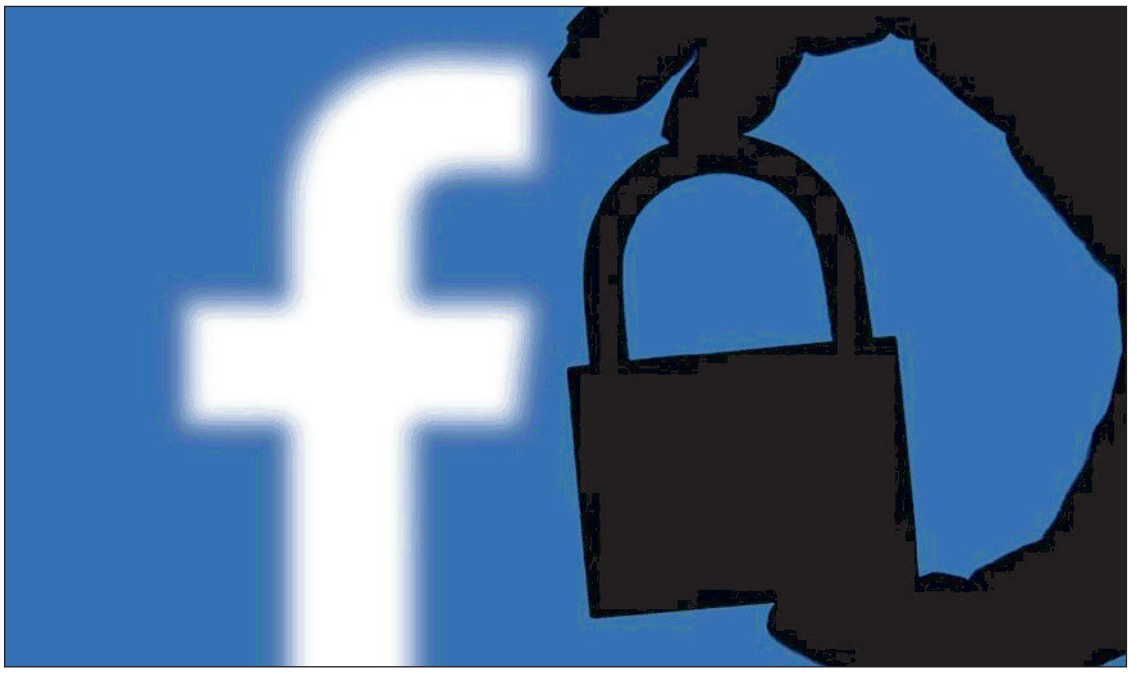

3D ग्राफिक्स एक्सपीरिएंस का दावा करने वाले गेमिंग ऐप।हेल्थ और लाइफ स्टाइल की जानकारी देने वाले फिटनेस ट्रैकिंग और होरोस्कोप ऐप। हिडन फीचर्स प्रोवाइड करने वाले बिजनेस और एड मैनेजमेंट ऐप।

जाने क्या है जिम और दिल के दौरे के बीच का संबंध

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हर कोई जानता है कि व्यायाम आपके लिए अच्छा है, और अब जबकि कसरत करने के कई अलग-अलग तरीके हैं, लगभग कोई भी अपनी पसंद की चीज़ पा सकता है। 1 हृदय रोग होने की संभावना अधिक होती है यदि आप अधिक इधर-उधर नहीं जाते हैं। वर्ल्ड हार्ट फ़ेडरेशन का कहना है कि यदि आप पर्याप्त व्यायाम नहीं करते हैं, तो आपके हृदय रोग होने का जोखिम 50% तक बढ़ जाता है।सक्रिय रहना हृदय रोग होने की संभावना को कम करने का एक शानदार तरीका है। नियमित एरोबिक व्यायाम, जैसे चलना, हृदय के लिए अच्छा माना जाता है। यह वजन कम करने और आपके रक्तचाप को कम करने में आपकी मदद कर सकता है, जो दोनों ही हृदय रोग के जोखिम कारक हैं। लेकिन व्यायाम कभी-कभी आपको दिल का दौरा पड़ने की अधिक संभावना बना सकता है, खासकर यदि आपको हृदय रोग है और आप कितना करते हैं यह न देखें।

क्या गहन अभ्यास के कोई प्रतिकूल प्रभाव हैं?

जोरदार शारीरिक गतिविधि उन लोगों में अचानक हृदय की मृत्यु और दिल के दौरे के जोखिम को बढ़ा सकती है, जो पहले से ही जोखिम में हैं, खासकर अगर वे अच्छे आकार में नहीं हैं। हाल के अध्ययनों से यह भी पता चला है कि बहुत अधिक व्यायाम करना और कठिन परिश्रम करना दोनों ही हृदय संबंधी समस्याओं का कारण बन सकते हैं।इन समस्याओं में हृदय धमनियों का त्वरित कैल्सीफिकेशन, व्यायाम-प्रेरित हृदय बायोमार्कर की रिहाई, हृदय में कोलेजनस निशान ऊतक की मात्रा में वृद्धि, और एक अनियमित और अक्सर बहुत तेज़ हृदय ताल जो हृदय में रक्त के थक्कों को जन्म दे सकती है।मैराथन धावकों के एक अध्ययन में पाया गया कि धावकों ने अपनी दौड़ पूरी करने के बाद भी, उनके रक्त में अभी भी बायोमार्कर थे जो हृदय क्षति से जुड़े थे। ज्यादातर समय, क्षति के ये लक्षण अपने आप चले जाते हैं। हालांकि, यदि हृदय अत्यधिक शारीरिक तनाव से गुजरता रहता है, तो अस्थायी क्षति से हृदय में स्थायी परिवर्तन हो सकते हैं, जैसे कि मोटी हृदय की दीवारें और घाव।

सही व्यायाम करने का उपाय क्या है?

हालांकि इस बात के प्रमाण हैं कि लंबे समय तक, गहन व्यायाम से कुछ हृदय रोगों का खतरा बढ़ सकता है, लेकिन इसका दीर्घकालिक जोखिम बिल्कुल भी व्यायाम न करने के जोखिम की तुलना में कम है। मध्यम व्यायाम अभी भी आपके शरीर और दिमाग को अच्छे आकार में रखने का सबसे अच्छा तरीका है।जब आप वर्कआउट करना शुरू करते हैं, तो आपको मजबूत होने, निम्न रक्तचाप होने, बेहतर नींद लेने और चीजों को बेहतर ढंग से याद रखने जैसे लाभ दिखाई देने लगेंगे। शारीरिक गतिविधि वजन बढ़ने, उदास होने और मनोभ्रंश होने की कम संभावना से भी जुड़ी हुई हैव्यायाम योजना शुरू करने या बदलने से पहले, अपने चिकित्सक से बात करें यदि आपके दिल की स्थिति, हृदय की स्थिति का इतिहास, या हृदय रोग के जोखिम कारक हैं। एक खेल हृदय रोग विशेषज्ञ को आपकी जांच करनी चाहिए कि क्या आप एक एथलीट हैं और नए लक्षण आ रहे हैं।

राहुल कोली : भारत की ऑस्कर एंट्री के चाइल्ड स्टार का फिल्म रिलीज से कुछ दिन पहले हुआ निधन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उनकी पहली फिल्म उनका हंस गीत बन गई, क्योंकि राहुल कोली, 15, 'छेलो शो' (द लास्ट फिल्म शो) के छह बाल कलाकारों में से एक, 95 वें अकादमी पुरस्कार (ऑस्कर) में भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में, 2 अक्टूबर को अंतिम सांस ली। उन्होंने ल्यूकेमिया के कारण दम तोड़ दिया, जिसका वे पिछले चार महीनों से इलाज कर रहे थे। उनके परिवार ने जामनगर के पास उनके पैतृक हापा में उनके लिए प्रार्थना सभा का आयोजन किया। आखिरी बातचीत के बारे में बात करते हुए उनके पिता रामू कोली भावुक हो गए।

राहुल कोली ने पहले निम्न श्रेणी का बुखार विकसित किया जो कई उपचारों के बावजूद वापस आ रहा था। फिर उन्हें आगे के इलाज के लिए जामनगर ले जाया जाएगा और अंत में अस्पताल में भर्ती होने के लिए अहमदाबाद ले जाया जाएगा। ₹रविवार, 2 अक्टूबर को, उन्होंने नाश्ता किया और फिर अगले घंटों में बुखार के बार-बार होने के बाद, राहुल ने तीन बार खून की उल्टी की और ठीक वैसे ही जैसे मेरा बच्चा नहीं रहा। हमारा परिवार तबाह हो गया है। लेकिन हम उनकी 'आखिरी फिल्म देखेंगे। 14 अक्टूबर को रिलीज के दिन हम उनके अंतिम शुद्धिकरण अनुष्ठान करने के बाद एक साथ दिखाएंगे,₹ कोली ने सिसकते हुए कहा।

ऑटोरिक्शा चालक ने बताया कि राहुल तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। उन्होंने कहा, ₹हम गरीब हैं, लेकिन राहुल का सपना हमारे लिए सब कुछ था। हमें राहुल के इलाज के लिए अपना रिक्शा बेचना पड़ा, लेकिन जब फिल्म क्रू को एहसास हुआ कि उन्होंने हमारे लिए रिक्शा वापस ले लिया है।₹पान नलिन ने बताया कि यह फिल्म से जुड़े सभी लोगों के लिए विनाशकारी खबर है। उन्होंने कहा, 'हम राहुल की देखभाल करने वाले परिवार के साथ हफ्तों से हैं लेकिन अंत में उन्हें बचाया नहीं जा सका।

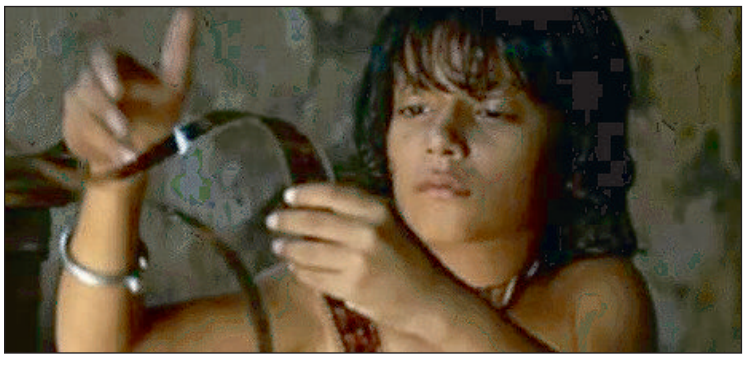

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एम्स के ट्रामा रथ का फ्लैग ऑफ किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 अक्टूबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एम्स के ट्रामा रथ का फ्लैग ऑफ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एम्स ऋषिकेश द्वारा ट्रामा रथ के माध्यम से मेडिकल कॉलेजों और अन्य विद्यालयों में जाकर आम लोगों को इस चिकित्सा पद्धति के बारे में जागरूक करने एवं प्रशिक्षित करने का अभियान छेड़ा है, यह सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाला राज्य है। चिकित्सा के क्षेत्र में इस तरह की पहल कारगर साबित होंगी।

एसोसिएट प्रो. एम्स ऋषिकेष डॉ. मधुर उनियाल ने कहा कि 11 से 17 अक्टूबर तक ट्रामा सप्ताह के तहत एम्स ऋषिकेश का ट्रामा रथ राज्य के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों और अन्य विद्यालयों में जाकर छात्र-छात्राओं तथा आम जनमानस को चिकित्सा के प्रति तत्कालिक सहायता और आवश्यक इलाज की जानकारी देगा एवं उन्हें प्रशिक्षित करेगा। यह ट्रामा रथ उत्तराखंड के आम जनमानस में ट्रॉमा चिकित्सा के प्रति जन जागरूकता लाकर उन्हें दुर्घटना के दौरान किस प्रकार से फर्स्ट ऐड दिया जाता है और घायल व्यक्ति की जान कैसे बचाई जा सकती है, इसका प्रशिक्षण देगा। सप्ताह भर तक चलने वाले इस कार्यक्रम के तहत ट्रॉमा रथ अलग अलग दिनों में अलग अलग स्थानों पर एम्स के ट्रॉमा विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेगा।

इस अवसर पर विधायक सुरेश गड़िया, डॉ.अजय कुमार, डॉ. कमलेश बैरवा, डॉ. पी. सी. मीणा, डॉ. दिनेश पंचाल उपस्थित थे।

महज 1,250 रुपये के लिए नशेड़ी ने ली वृद्ध की जान, छह घंटे के अंदर पुलिस ने पकड़ा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 अक्टूबर। देहरादून पुलिस ने शिकायत के छह घंटे के भीतर विकासनगर क्षेत्र से 72 वर्षीय चौकीदार के कथित हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया. देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) दलीप सिंह कुंवर ने सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विकासनगर के नवाबगंज निवासी शिकायतकर्ता जावेद अहमद ने सोमवार सुबह शिकायत दर्ज कराई कि काम करने वाले राजकुमार (72) नाम के उनके चौकीदार की किसी ने हत्या कर दी है. कैनाल रोड, बसंतपुर में अपनी कार्यशाला में। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसएसपी ने जांच के विभिन्न पहलुओं को संभालने के लिए चार टीमों का गठन किया। टीमों ने हत्या स्थल का विश्लेषण किया, मुखबिरों के नेटवर्क को सक्रिय किया और अपराधी के खिलाफ सबूत इकट्ठा करने के लिए आसपास के इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की। पुलिस ने अपनी खोज को विकासनगर के एक स्थानीय 22 वर्षीय सुल्तान तक सीमित कर दिया और उसे पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। एसएसपी ने कहा कि आरोपी ने शुरू में आरोप से इनकार किया लेकिन आखिरकार उसने चौकीदार की हत्या करना कबूल कर लिया जिसके बाद पुलिस ने शिकायत के छह घंटे के भीतर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने जांच के दौरान खुलासा किया कि वह एक ड्रग एडिक्ट है और वह ड्रग्स का इस्तेमाल करना चाहता था इसलिए उसने वर्कशॉप परिसर में प्रवेश किया जहां उसने पीड़िता को एक खाट में पड़ा देखा। उसने वृद्ध को बांस के डंडे से पीटना शुरू कर दिया और पीट-पीटकर मार डाला और उसकी जेब से 1,250 रुपये निकाल लिए, कुंवर को सूचित किया। उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ विकासनगर थाने में विभिन्न धाराओं के तहत पहले से ही आठ मामले दर्ज हैं. जल्द ही आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

दून में स्कूलों के बाहर ट्रैफिक व्यवस्था की बदहाली पर पुलिस ने शुरू की कार्रवाई

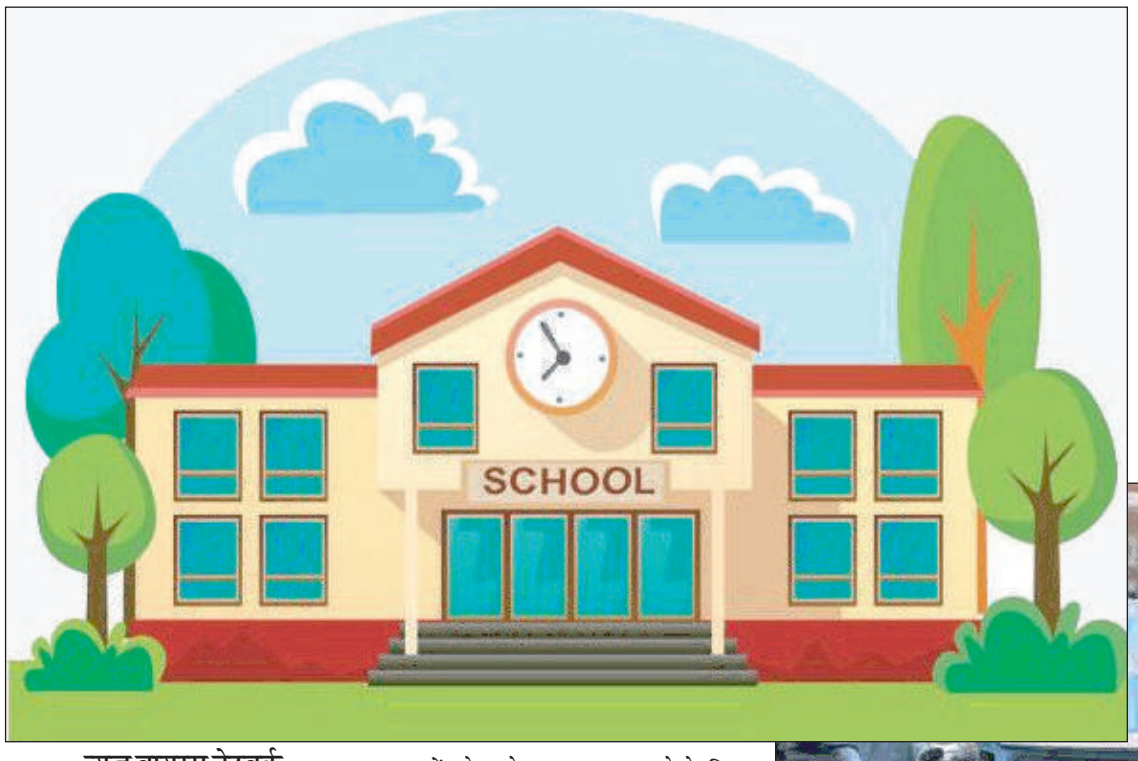

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पुलिस ने देहरादून शहर के उन स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है जो पीक आवर्स के दौरान अपने स्कूलों के बाहर यातायात का प्रबंधन करने में अधिकारियों के साथ सहयोग करने में विफल रहे। देहरादून के पुलिस अधीक्षक (यातायात) अक्षय कोंडे ने बताया कि यातायात पुलिस ने शहर में 12 बाधाओं की पहचान की है जो यातायात में बाधा डालती हैं और इन क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले स्कूलों के प्रमुखों को नोटिस भेजती हैं, जो पीक आवर्स के दौरान सबसे अधिक यातायात का कारण बनती हैं, ताकि प्रबंधन के लिए उनका सहयोग मांगा जा सके। ट्रैफ़िक। पुलिस ने स्कूल प्रशासन से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि छात्रों या अभिभावकों के सभी वाहन स्कूल परिसर के अंदर पार्क किए जाएं। पुलिस ने इन सभी स्कूलों को आदेश का पालन करने के लिए नोटिस भेज दिया है और इसका पालन नहीं करने वालों के खिलाफ सोमवार से कार्रवाई शुरू कर दी है. एसपी (यातायात) अपनी टीम के साथ सेंट जोसेफ अकादमी पहुंचे और स्कूल परिसर में उपलब्ध पार्किंग सुविधा का उपयोग करने के लिए माता-पिता के रास्ते में बाधा डालने वाले स्कूल के बाहर कई जगहों पर लगाए गए सभी बैरिकेड्स को हटा दिया।

अधिकारियों ने पार्किंग के लिए वाहनों के प्रवेश की अनुमति देने के लिए स्कूल प्रशासन को अपने गेट भी खोल दिए।

कुछ अभिभावकों ने पुलिस से शिकायत भी की कि स्कूल पार्किंग की उचित व्यवस्था होने के बावजूद उनके वाहनों को परिसर के अंदर नहीं जाने देता है। उन्होंने कहा कि उन्हें स्कूल के सुरक्षाकर्मियों के दुर्व्यवहार को झेलना पड़ रहा है और अगर वे अंदर पार्किंग की जिद करते हैं तो उन्हें डर है कि उनके बच्चों को सुरक्षाकर्मियों का खामियाजा भुगतना पड़ेगा. कई अभिभावकों ने यह भी कहा कि स्कूल के बाहर भीड़ भाड़ और भीड़भाड़ वाली जगह के कारण, उन्हें परिसर के अंदर पार्किंग की उचित व्यवस्था होने के बावजूद स्कूल से काफी दूर अपने वाहन पार्क करने पड़ते हैं, जिसके कारण उन्हें व्यस्त समय के साथ व्यस्त सड़कों को पार करना पड़ता है। उनके छोटे बच्चे जो कई बार जोखिम भरा महसूस करते हैं।कोंडे ने कहा कि अभिभावकों ने स्कूल परिसर के अंदर उचित पार्किंग की इस पहल की सराहना की जो सुरक्षित और सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि वाहनों की उचित पार्किंग से राजपुर रोड पर ट्रैफिक जाम में काफी कमी आई है जो आमतौर पर स्कूल के घंटों के दौरान होता है।कोंडे ने कहा कि यातायात पुलिस नियमित रूप से इस तरह का निरीक्षण करेगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि स्कूल प्रशासन ने छात्रों और अभिभावकों के लिए अपने परिसर में पार्किंग की उचित व्यवस्था की है। उन्होंने छात्रों और अभिभावकों से भी अपील की कि वे पुलिस द्वारा दंड से बचने के लिए अपने वाहन स्कूल परिसर या वैध पार्किंग क्षेत्रों जैसे निर्दिष्ट क्षेत्रों में पार्क करें।

बाप रे ! लड़की को घड़ी के बदले मिले गोबर के उपले, फ्रॉड से सावधान रहे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 अक्टूबर , आजकल ऐसी खबरे खूब सामने आ रही हैं जब ऑनलाइन आर्डर करने पर लोगों को ठगा जा रहा है। उत्तर प्रदेश के कौशांबी की रहने वाली एक लड़की ने ऑनलाइन एक घड़ी ऑर्डर की थी, लेकिन जब पार्सल उसके पास पहुंचा तो पैकेट खोलते ही उसके होश उड़ गए. उसने ऑर्डर तो घड़ी की थी, लेकिन उसे पैकेट के अंदर मिले गोबर के उपले. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फ्लिपकार्ट के 'बिग बिलियन डे' सेल के दौरान लड़की ने करीब 1300 रुपये की एक कलाई घड़ी ऑर्डर की थी. 7 अक्टूबर को उसके पास ऑर्डर किया हुआ पार्सल पहुंचा, जिसे उसने डिलीवरी बॉय को पैसे देकर रिसीव कर लिया.

इसके बाद शाम को जब पैकेट खोला गया तो उसमें से गोबर के चार छोटे-छोटे उपले निकले. ये देख कर तो लड़की और उसके घरवाले भड़क गए और उन्होंने तुरंत ही डिलीवरी बॉय को बुलाया. उसके साथ काफी वाद-विवाद हुआ. खूब हो-हल्ला करने के बाद आखिरकार लड़की को उसके पैसे वापस मिले....आज का जमाना ऑनलाइन का ही जमाना है. यह काफी आसान और सुविधाजनक भी है. इसका सबसे बड़ा फायदा ये है कि लोगों को किसी भी काम के लिए बैंक जाने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि घर बैठे सारा काम हो जाता है. अब तो लोगों को शॉपिंग करने के लिए भी घर से बाहर निकलने की कोई जरूरत नहीं है. बस ऑनलाइन कोई भी सामान ऑर्डर करना है और कुछ ही दिनों में सामान आपके घर पहुंच जाता है. हालांकि कई बार ऐसा भी देखने में आता है कि लोग ऑर्डर कुछ करते हैं और डिलीवरी में कुछ और ही सामान पहुंच जाता है. ऐसा ही एक मामला आजकल चर्चा का विषय बना हुआ है, जो काफी अजीबोगरीब है.

पहले भी सामने आ चुके हैं ऐसे मामले

हालांकि यह कोई पहला मामला नहीं है जब ऑनलाइन ऑर्डर पर पैकेट के अंदर से ऐसी अजीबोगरीब चीज निकली हो. अभी हाल ही में एक ऐसा ही मामला सामने आया था, जिसमें एक शख्स ने ऑनलाइन ड्रोन ऑर्डर किया था, लेकिन जैसे ही पैकेट खोला गया तो उसके अंदर से एक किलो आलू निकले. इसके अलावा कुछ दिन पहले भी ऐसा एक मामला देखने को मिला था. एक शख्स ने लैपटॉप ऑर्डर किया था, लेकिन डिलीवरी में उसे कपड़े धोने का साबुन मिला था.

डोईवाला वन विभाग ने कुख्यात वन तस्कर को पकड़ा, ऐसे करता था लकड़ी की स्मगलिंग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 अक्टूबर। वन विभाग को बड़ी कामयाबी मिली है. दो वन तस्करों को डोईवाला वन विभाग की टीम ने हरिद्वार से गिरफ्तार किया है. ये वन तस्कर गिरोह के लोगों के साथ मिलकर लच्छीवाला और बड़कोट वन क्षेत्र से खैर के बेशकीमती पेड़ों को निशाना बना रहे थे.वन विभाग के लिए सिरदर्द बन चुके वन तस्करों मौसम अली पुत्र कमरुद्दीन व सफीक पुत्र भोलू नाम के वन तस्करों की तलाश वन विभाग की टीम और पुलिस की टीम लंबे समय से कर रही थी. ये वन तस्कर कुछ समय से डोईवाला के आसपास के जंगलों से खैर के पेड़ों को काटकर गाड़ी में भरकर भाग जाते थे.

इस तरह इन वन तस्कर ने अपने गिरोह के लोगों के साथ मिलकर खैर के दर्जनों पेड़ों पर आरी चलाकर उन्हें अपना निशाना बनाया था.लच्छीवाला और बड़कोट रेंज के वन विभाग की टीम ने पुलिस के साथ मिलकर इन वन तस्करों को पकड़ने के लिए उनके घर में दबिश दी. सोमवार को दो वन तस्करों को उनके घर से घर से दबोचा ओर डोईवाला ले आई.

बड़कोट वन रेंज अधिकारी धीरज रावत ने बताया कि मौसम अली पुत्र कमरुद्दीन मुख्य वन तस्कर है और बेहद शातिर किस्म का है. मौसम अपने साथियों के साथ मिलकर खैर के पेड़ों को काटकर पिकअप में डालकर फरार हो जाता था.29 सितंबर को सूचना पाकर जब पेड़ों को भरते समय इसका पीछा किया गया तो यह तस्कर दो वनकर्मियों की स्कूटी में टक्कर मारकर फरार हो गया था. एक वनकर्मी महेंद्र सिंह चौहान को चोट भी आ गई थी. वहीं दूसरा वनकर्मी अभिषेक भी गड्ढे में गिर गया था. वन रेंज अधिकारी ने बताया कि इस शातिर किस्म के वन तस्कर को सोमवार की रात को पुलिस की मदद से उसके घर से धर दबोचा.वहीं लच्छीवाला रेंज की टीम ने भी एक वन तस्कर सफीक पुत्र भोलू को हरिद्वार से धर दबोचा. अन्य वन माफियाओं की तलाश की जा रही है. वहीं वन रेंज अधिकारी घनानंद उनियाल ने बताया कि वन तस्कर को वन अधिनियम 1926 के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है.

एक पिकअप गाड़ी को भी कब्जे में लिया गया है. खैर के पेड़ों की डांटों को भी कब्जे में लिया गया है.वन रेंज अधिकारी ने बताया कि यह शातिर किस्म के वन तस्कर सब्जियों की पेटियों का सहारा लेकर वन तस्करी का काम कर रहे थे. इसमें मुख्य आरोपी मौसम अली के घर से भी एक पिकअप मिली है. पिकअप से कुछ डांटें भी टीम को मिली हैं. यही गाड़ी कई सीसीटीवी में भी लकड़ियों को ले जाते हुए कैमरे में कैद हुई है. एक वन तस्कर को जेल भेज दिया गया है. पुलिस भी मुख्य वन तस्कर से पूछताछ कर रही है और आरोपी का पुराना रिकॉर्ड भी खंगाला जा रहा है.

सफेद बालों से हैं परेशान, ये हैं घरेलू नुस्खे फिर से होने लगेंगे बाल काले

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 अक्टूबर , बालों का सफेद होना आमतौर पर उम्र, खराब जीवनशैली, खानपान में कमी, जेनेटिक्स और किसी मेडिकल कंडीशन के कारण भी हो सकता है. वहीं, कुछ केमिकलयुक्त प्रोडक्ट्स भी बालों को सफेद कर सकते हैं. ऐसे में अगर आपको अपने सिर पर इक्का-दुक्का सफेद बाल दिखने लगे हैं तो कई घरलू नुस्खे हैं जिनका इस्तेमाल किया जा सकता है. ये उपाय बालों को काला करने के अलावा ये चीजें उन्हें घना, मुलायम और लंबा बनाने में भी मदद करती हैं.

सफेद बालों के घरेलू उपाय

आंवला

बालों के लिए आंवला लंबे समय से इस्तेमाल होता चला आ रहा नुस्खा है. यह ना सिर्फ बालों को मजबूत बनाता है बल्कि उन्हें काला करने का भी काम करता है. इसे बालों में लगाने के लिए 3 से 4 आंवला को छोटे टुकड़ों में काटकर एक कप पानी में मिलाएं और उबालने के लिए रख दें. कुछ देर पकाने के बाद इस मिश्रण को ठंडा करने रख दें फिर बालों पर लगाएं. आप हफ्ते में 1 से 2 बार इस नुस्खे का इस्तेमाल कर सकते हैं.

करी पत्ता

सिर्फ खाने में ही करी पत्ते काम नहीं आते बल्कि सिर पर भी लगाए जा सकते हैं. करी पत्ता लगाने के लिए 15 से 20 करी पत्ते लेकर डेढ़ कप नारियल के तेल में पका लीजिए. जब करी पत्ते तेल में काले हो जाएं तो उन्हें आंच से उतार लें. इस तेल को हल्का ठंडा करें और बालों के सिरों से जड़ों तक लगा लें. सिर पर इसे कम से कम एक घंटा लगाए रखने के बाद धो लें.

भृंगराज

बालों पर आप भृंगराज का तेल या फिर भृंगराज पाउडर लगा सकते हैं. भृंगराज का तेल सिर पर सीधे ही लगाया जा सकता है, वहीं भृंगराज के पाउडर में पानी मिलाकर पेस्ट बना लें. इसे बालों पर 45 से 50 मिनट लगाए रखने के बाद बाल धो लें.

काली कॉफी

ब्लैक कॉफी का इस्तेमाल बालों पर बेहद आसान भी है और सफेद बालों पर असरदार भी. 2 से 3 कप पानी में 4 से 5 कप काली कॉफी का पाउडर लेकर मिक्स कर लें. इस पानी को उबाल लें. बालों पर 20 से 30 मिनट लगाए रखने के बाद सफेद बाल काले होने लगते हैं. इसे आप हर हफ्ते कम से कम एक बार लगा सकते हैं.

एलोवेरा

कुछ ही बाल सफेद हुए हैं तो आप हफ्ते में एक से दो बार एलोवेरा जैल लगा सकते हैं. एलोवेरा की ताजा पत्ती लें और उसमें से एक कप के बराबर एलोवेरा का गूदा निकाल लें. इसे बालों पर सिर से जड़ों तक अच्छी तरह लगा लें और एक घंटा रखने के बाद धो लें. यह बालों को सिल्की और शाइनी भी बनाता है.

कैदियों को कारागर से बाहर सेल्यून, प्रेस, बढ़ई, जैसे कामों पर लगाएगी धामी सरकार

जेल विकास बोर्ड रिवाल्विंग फण्ड स्थापित करने पर सहमति , 1 करोड़ जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 अक्टूबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में जेल विकास बोर्ड के रिवाल्विंग फण्ड स्थापित करने पर सहमति देते हुए शुरूआती 1 करोड़ रूपये की धनराशि जारी करने के निर्देश दिए है। इस रिवाल्विंग फण्ड की मदद से जहां एक ओर कैदियों में इन्टरप्रिन्योरशिप व स्वरोजगार को प्रोत्साहन मिलेगा दूसरी ओर सरकारी विभागों में उत्पादों की आपूर्ति अधिक से अधिक राज्य के कारागारों से सुनिश्चित करवाने के प्रयास किए जाएंगे। जेल विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जेलों की आधुनिकीकरण प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य की समस्त जेलों में विडियों कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से न्यायालयों के समक्ष कैदियों के पेशी की व्यवस्था किये जाने हेतु जेलों में वीसी हॉल तथा तकनीकी विकास की एक कार्ययोजना जल्द से जल्द बनाने के निर्देश दिए।

आईजी कारागार विमला गुंज्याल ने जानकारी दी कि राज्य की 3 जेलों में पूर्णतः सीसीटीवी कैमरे लग चुके है तथा 7 जेलों में सीसीटीवी लगाने का कार्य चल रहा है। जेलों में 89 बॉडी वॉन कैमरों की भी व्यवस्था की गई है। ई-मुलाकात के तहत कैदियों एवं उनके परिजनों हेतु वीडियो कॉल की सुविधा उपलब्ध है। ई-प्रिजन के माध्यम से बन्दियों के रिकार्ड डिजिटाइज किए गए है। अभी तक 4868 बंदियों को विडियों कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से न्यायालयों में पेश किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि राज्य के कारागारों को आदर्श जेलों के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। जेलों में कैदियों में सुधार के साथ ही ट्रैनिंग के माध्यम से उनमें इन्टरप्रिन्योरशिप विकसित की जानी चाहिए। उन्हें स्वरोजगार की दिशा में प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

इस दिशा में राज्य सरकार के विभिन्न विभागों, अस्पतालों तथा स्कूलों की वर्दी सिलाई का काम कैदियों से करवाएं जाने हेतु कार्ययोजना पर कार्य किया जा रहा है। सरकारी विभागों के सामानों की अधिक से अधिक आपूर्ति भी कारागारों से करवाये जाने का प्रयास किया जाएगा।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कैदियों के एम्स ऋषिकेश में उपचार हेतु एम्स से एमओयू करने तथा एक कार्पस फंड की व्यवस्था के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी कैदियों तथा उनके परिजनों के आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु जेलों में कैम्प लगाए जाए। राज्य का कारागर विभाग जल्द ही आदर्श कारागार लखनऊ के तर्ज पर उत्तराखण्ड में अच्छे आचरण वाले कैदियों को कारागर से बाहर सेल्यून, प्रेस, बढ़ई, मोटर बाइन्डिंग जैसे कामों पर लगाए जाने हेतु कार्ययोजना पर कार्य कर रहा है। बैठक में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में उत्तराखण्ड कारागार विकास बोर्ड के गठन पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही राज्य में कारागार विभाग के मुख्यालय निर्माण हेतु उपयुक्त भूमि आवंटन पर विचार किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा पुलिस एवं होमगार्ड विभाग की भांति जेल कर्मचारी कल्याण कोष गठन पर भी सहमति व्यक्त की गई। बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, आईजी रिद्धिम अग्रवाल, अपर सचिव कार्मिक अतर सिंह सहित कारागार तथा पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पीडब्ल्यूडी की बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने दिए कई बड़े निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 अक्टूबर। अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सड़कों के भूमि अधिग्रहण तथा मुआवजे की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए अपर सचिव न्याय एवं अपर सचिव राजस्व की एक कमेटी बनाने के निर्देश दिए। यह समिति 15 दिनों में राष्ट्रीय राजमार्गो के अतिरिक्त अन्य सड़कों में भी भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया के सरलीकरण हेतु सुझाव देगी। लोक निर्माण विभाग की समीक्षा के दौरान अपर मुख्य सचिव रतूड़ी ने राज्य में डम्पिंग जोन हेतु उचित भूमि की कमी की समस्या के समाधान के लिए इनोवेटिव तथा वृक्षारोपण जैसे पर्यावरण हितैषी उपायों की संभावनाओं पर गम्भीरता से अध्ययन करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। रतूड़ी ने पी डब्ल्यू डी की सड़कों पर शहरी क्षेत्रों में आवासीय मकानों एवं दुकानों के अतिक्रमण के कारण, रैम्प बनाये जाने से नाली निर्माण या मार्ग रख-रखाव में आ रही कठिनाइयों के समाधान हेतु नगर निकायो की कैपेसिटी बिल्डिंग तथा पी डब्ल्यू डी द्वारा निकायों को तकनीकी सहायता पर चर्चा की। नगर निकायों की सड़कों के रख-रखाव के लिए भी एक स्पष्ट और ठोस नीति निर्धारण पर त्वरित निर्णय की बात कही गई। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिए की पी डब्ल्यू डी की सड़कों पर अलग-अलग विभागों द्वारा कार्य सम्पादन हेतु बार-बार कटिंग करने से रख-रखाव में आने वाली समस्याओं के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी स्तर पर नियमित बैठके की जानी चाहिए। बैठक में राज्य में वनभूमि हस्तान्तरण के प्रकरणों के सम्बन्ध में क्षतिपूरक वृक्षारोपण के लिए दुगुनी उपयुक्त भूमि की कमी के मुद्दें पर भी चर्चा की गई।बैठक में प्रमुख सचिव श्री आर के सुधांशु, प्रभारी सचिव दीपेन्द्र चौधरी, अपर सचिव विनीत कुमार, प्रदीप रावत, एमडीडीए के अधिकारी उपस्थित थे।

केन्द्र को भेजा जायेगा ग्लोबल यूनिवर्सिटी का प्रस्ताव: डॉ0 धन सिंह रावत

सूबे के दर्जन भर महाविद्यालयों को बनाया जायेगा मॉडल शिक्षण संस्थान

रूसा के तहत शोध कार्यों एवं सूचना प्रौद्योगिकी को दिया जायेगा बढ़ावा

सूबे में नैक की तैयारियों के लिये आयोजित होंगी कार्यशालाएं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 अक्टूबर। जल्द ही प्रदेश के एक राज्य विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का विश्वविद्यालय बनाये जाने के लिये केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जायेगा, इसके साथ ही एक दर्जन राजकीय महाविद्यालयों को मॉडल महाविद्यालय बनाने का प्रस्ताव केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय को भेजा जायेगा। रूसा के अंतर्गत उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध कार्यों एवं सूचना प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिये कार्य योजना तैयार कर केन्द्र सरकार से अतिरिक्त धनराशि की मांग की जायेगी।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने आज अपने शासकीय आवास में विद्यालयी एवं उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। जिसमें उन्होंने विभाग के अंतर्गत लम्बित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिये। उन्होंने शिक्षा विभाग में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को विधिवत लागू करने के लिये तैयारियों का भी जायजा लिया। डॉ0 रावत ने कहा कि वर्तमान परिपेक्ष्य में प्रदेश में एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विश्वविद्यालय की आवश्यकता महसूस की जा रही है। जिसका प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र केन्द्र सरकार को भेजा जायेगा। इसके अलावा राज्य के दर्जन भर राजकीय महाविद्यालयों को मॉडल शिक्षण संस्थान के रूप में तैयार किया जायेगा। जिसकी कार्य योजना बना कर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री के समक्ष प्रस्तुत की जायेगी। विभागीय मंत्री ने कहा कि रूसा के अंतर्गत राजकीय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शोध कार्यों एवं सूचना प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिये केन्द्र सरकार से अतिरिक्त बजट की मांग की जायेगी।जिसके लिये विभागीय अधिकारियों को विधिवत प्रस्ताव तैयार करने निर्देश दे दिये गये हैं। बैठक में उच्च शिक्षा विभाग में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई जिसका शुभारम्भ केन्द्रीय शिक्षा मंत्री के द्वारा इसी माह किया जाना प्रस्तावित है। डॉ0 रावत ने उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी राजकीय उच्च शिक्षण संस्थानों में नैक एक्रिडिएशन की तैयारियां सुनिश्चित की जाय जिसके लिये शीघ्र ही राज्य के विभिन्न जनपदों में प्रस्तावित आधा दर्जन कार्यशालाओं के आयोजन की तैयारी भी की जाय।बैठक में सचिव उच्च शिक्षा शैलेश बगोली, सचिव विद्यालयी शिक्षा रविनाथ रमन, अपर सचिव उच्च शिक्षा प्रशांत आर्य, महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा बंशीधर तिवारी, रूसा सलाहकार प्रो0 एम0एस0एम0 रावत, संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा प्रो0 ए0एस0 उनियाल, निदेशक बेसिक शिक्षा वंदना गर्ब्याल सहित विद्यालयी शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग अधिकारी उपस्थित रहे।

विरासत में लोगों को खूब भाया देबाश्री भट्टाचार्य के रवींद्र संगीत

विरासत आर्ट एंड हेरीटेज फेस्टिवल 2022 में देहरादून के विभिन्न विद्यालयों के बच्चो ने खूबसूरती से अपनी शास्त्रीय नृत्य एवं कला का प्रदर्शन किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 अक्टूबर। विरासत आर्ट एंड हेरीटेज फेस्टिवल 2022 के तीसरे दिन की शुरुआत 'विरासत साधना' कार्यक्रम के साथ हुआ। विरासत साधना कार्यक्रम के अंतर्गत देहरादून के विभिन्न विद्यालयों के बच्चो ने खूबसूरती से अपनी शास्त्रीय नृत्य एवं कला का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में 12 विद्यालयो के 12 बच्चो ने प्रतिभाग किया। इसके अंतर्गत बच्चो ने भरतनाट्यम एवम कथक जैसे शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम की शुरुवात में मनसा शर्मा(संत जोसेफ एकेडमी) ने अपनी भरतनाट्यम प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीत लिया। उसके बाद श्रृष्टि दवेली (राज हंस पब्लिक स्कूल) कथक, नंदिनी खंकवाल (कन्वेंटबॉफ जीसस एंड मेरी) भरतनाट्यम, स्नेहा बिस्वास(टच वुड स्कूल) कथक, पर अपनी प्रस्तुति दी। अंत में अंशिका चौहान (हिल फाउंडेशन ग्रुप एजुकेशन) ने भरतनाट्यम नृत्य पर प्रस्तुति देकर कार्यक्रम का समापन किया। सभी प्रतिभागियों को विरासत साधना के आयोजक कल्पना शर्मा द्वारा सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ एवं सहाना बनर्जी द्वारा सितार वादन के प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम में उन्होंने अपनी प्रस्तुति की शुरुवात शुद्ध शास्त्रीय संगीत के घुन से की जिसमे उनका साथ शुभ महाराज ने तबले की ताल पर दिया । प्रस्तुतियों में उन्होंने राग मरू बिहाग , राग तिलक कमोद एवं अंत में उन्होंने राग मिश्र पल्लू से प्रस्तुति का समापन किया। सहाना जी की देहरादून के विरासत में यह पहली प्रस्तुति थी।

सितार वादक सहाना बनर्जी रामपुर सेनिया घराने से ताल्लुक रखती हैं। सहाना संगीतकारों के परिवार में पैदा हुई है और चार साल की कम उम्र में ही उन्हें एक अद्भुत प्रतिभाशाली बच्चे के रूप में पहचाना जाने लगा था। उनके पिता संतोष बनर्जी एक प्रसिद्ध सितार और सुरबहार वादक है साथ ही वाद्य संगीत विभाग, रवींद्र भारती

■ सहाना बनर्जी के सितार वादन से संगीतमय हुआ विरासत का आंगन

विश्वविद्यालय, कोलकाता के पूर्व प्रमुख है जिन्होंने उन्हें संगीत में प्रशिक्षित किया। उन्होंने अपनी प्रसिद्ध मां छबी बनर्जी से गायन संगीत का व्यापक प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। सहाना कोलकाता में वर्ष 1990 में डोवर लेन संगीत सम्मेलन में पंडित निखिल बनर्जी चैलेंज ट्रॉफी जीती और उन्हें 'सर्वश्रेष्ठ वाद्य यंत्र' का पुरस्कार दिया गया। 1995 से ऑल इंडिया रेडियो और टेलीविज़न की ग्रेडेड आर्टिस्ट होने के अलावा सहाना ने भारत और यूरोप में कई प्रतिष्ठित स्टेज

परफॉर्मेंस भी दी हैं। सहाना ने रेडियो फ्रांस द्वारा आयोजित ड्यून राइव ए 'ल'यूट्रे नामक एक अनूठी परियोजना में भी काम किया है।

कार्यक्रम की आखिरी प्रस्तुति डॉ देबाश्री भट्टाचार्य द्वारा भारतीय शास्त्रीय संगीत पर दिया गया। उन्होंने अपनी प्रस्तुतियों की शुरुआत राग मालकोश से की फिर उसके बाद राग सोनी की एक ठुमरी उन्होंने दर्शकों को सुनाई। जिसमें उनका सहयोग प्रसिद्ध हारमोनियम वादक पारोमिता तथा लोकप्रिय तबला वादक मिथिलेश झा और उनके साथ योगेश खेतवाल , पारस उपाध्याय (तानपुरा) ने दीया। देबाश्री भट्टाचार्य जी ने स्वरमंडल संग अपनी गायकी का प्रदर्शन किया है और आखिर में राग परमेश्वरी पर एक भजन ने लोगों की प्रशंसा बटोरी और उन्होंने अपनी प्रस्तुति का समापन किया। डॉ देबाश्री भट्टाचार्य, संगीत और ललित कला संकाय के डॉ (श्रीमती) एम. विजय लक्ष्मी के छात्र हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से भारतीय शास्त्रीय संगीत में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। डॉ देबाश्री भट्टाचार्य कम उम्र में ही विभिन्न गुरुओं से शास्त्रीय संगीत सीखना शुरू कर दिया था और साधारण संगीत, रवींद्र संगीत, कला, शिल्प और मूर्तिकला सहित संगीत के विभिन्न रूपों को सीखा। उन्होंने पूरे भारत में संगीत पर प्रदर्शन दिया है। उन्हें 'द इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिएटिव आर्ट्स' से संगीत और उत्कृष्टता पुरस्कार 2005 में कई पुरस्कार मिले हैं।डॉ देबाश्री भट्टाचार्य एक गीत लेखक और संगीतकार भी हैं। उन्होंने बंगाली भाषा को समृद्ध बनाने और संस्कृति को बनाए रखने के लिए एकेडमी ऑफ बांग्ला आर्ट एंड कल्चर (एबीएसी) जैसे संस्था में पढ़ाया है। पेंटिंग, और मूर्तिकला जैसे अन्य कलाओं में उनके जुनून को देखा जा सकता है साथ ही साथ फोटोग्राफी में उनकी रुचि है।

09 अक्टूबर से 23 अक्टूबर 2022 तक चलने वाला यह फेस्टिवल लोगों के लिए एक ऐसा मंच है जहां वे शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य के जाने-माने उस्तादों द्वारा कला, संस्कृति और संगीत का बेहद करीब से अनुभव कर सकते हैं। इस फेस्टिवल में परफॉर्म करने के लिये नामचीन कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। इस फेस्टिवल में एक क्राफ्ट्स विलेज, क्विज़ीन स्टॉल्स, एक आर्ट फेयर, फोक म्यूजिक, बॉलीवुड-स्टाइल परफॉर्मेंसेस, हेरिटेज वॉक्स, आदि होंगे। यह फेस्टिवल देश भर के लोगों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और उसके महत्व के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी प्राप्त करने का मौका देता है। फेस्टिवल का हर पहलू, जैसे कि आर्ट एक्जिबिशन, म्यूजिकल्स, फूड और हेरिटेज वॉक भारतीय धरोहर से जुड़े पारंपरिक मूल्यों को दर्शाता है।

रीच की स्थापना 1995 में देहरादून में हुई थी, तबसे रीच देहरादून में विरासत महोत्सव का आयोजन करते आ रहा है। उदेश बस यही है कि भारत की कला, संस्कृति और विरासत के मूल्यों को बचा के रखा जाए और इन सांस्कृतिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाया जाए। विरासत महोत्सव कई ग्रामीण कलाओं को पुनर्जीवित करने में सहायक रहा है जो दर्शकों के कमी के कारण विलुप्त होने के कगार पर था। विरासत हमारे गांव की परंपरा, संगीत, नृत्य, शिल्प, पेंटिंग, मूर्तिकला, रंगमंच, कहानी सुनाना, पारंपरिक व्यंजन, आदि को सहेजने एवं आधुनिक जमाने के चलन में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इन्हीं वजह से हमारी शास्त्रीय और समकालीन कलाओं को पुणः पहचाना जाने लगा है।

संपादकीय

बुजुर्गों को मिले सम्मानजनक जीवन

भारत की जनसंख्या में बुजुर्गों यानी 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों का हिस्सा 10 प्रतिशत के करीब है. राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग के अनुसार यह संख्या 2036 तक 18 प्रतिशत तक पहुंच सकती है. यदि भारत को भविष्य में बुजुर्गों के लिए एक सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना है, तो इसके लिए आज से ही योजना बनाना शुरू होना चाहिए. भारत में बुजुर्गों के मानसिक स्वास्थ्य पर हुए हालिया शोध उनकी गंभीर स्थिति पर नयी रोशनी डालते हैं. उदाहरण के लिए, तमिलनाडु के एक सर्वेक्षण के अनुसार बुजुर्ग व्यक्तियों में 30 से 50 प्रतिशत (लिंग और आयु वर्ग के आधार पर) अवसाद से पीड़ित हैं. पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अवसाद की घटनाएं अधिक होती हैं और ये उम्र के साथ तेजी से बढ़ती हैं. ज्यादातर मामलों में अवसाद अनियंत्रित और अनुपचारित रहता है. अवसाद गरीबी व बीमारी से संबंधित है, लेकिन यह अकेलेपन से भी जुड़ा है. अकेले रहने वाले बुजुर्गों में, तमिलनाडु के सर्वेक्षण में, 74% अवसाद से प्रभावित थे. इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं हैं. वृद्धावस्था की कठिनाइयां केवल गरीबी से संबंधित नहीं हैं, लेकिन कुछ नगदी अक्सर मदद करती है. नगद रकम निश्चित रूप से कई स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने में मदद कर सकती है और कभी-कभी अकेलेपन से बचने में भी. बुजुर्गों के लिए सम्मानजनक जीवन दिलाने की दिशा में पहला कदम उन्हें आर्थिक बेसहारापन से बचाना है. यही कारण है कि वृद्धावस्था पेंशन दुनियाभर में सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. भारत में राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी) के तहत बुजुर्गों, विधवाओं और विकलांग व्यक्तियों के लिए गैर-अंशदायी पेंशन की महत्वपूर्ण योजनाएं हैं. दुख की बात है कि पुरानी और अविश्वसनीय बीपीएल सूचियों के आधार पर एनएसएपी के लिए पात्रता 'गरीबी रेखा से नीचे' यानी बीपीएल परिवारों तक ही सीमित है. इसके अलावा, एनएसएपी के तहत वृद्धावस्था पेंशन में केंद्रीय योगदान 2006 के बाद से 200 रुपये प्रति माह पर स्थिर रहा है. कई राज्यों ने अपने स्वयं के धन और योजनाओं का उपयोग कर सामाजिक सुरक्षा पेंशन की कवरेज और राशि में वृद्धि की है. कुछ राज्यों ने तो विधवाओं और वृद्ध व्यक्तियों के लिए 'निकट-सार्वभौमिक' (जैसे 75-80 प्रतिशत) कवरेज हासिल कर लिया है. उदाहरण के लिए, तमिलनाडु को छोड़ कर सभी दक्षिणी राज्यों में अब यह स्थिति है. सामाजिक लाभों का 'लक्ष्यीकरण' हमेशा कठिन होता है. जब वृद्धावस्था पेंशन की बात आती है, तो लक्ष्यीकरण उचित नहीं है. लक्ष्यीकरण व्यक्तिगत के बजाय घरेलू संकेतकों पर आधारित होता है. विधवा या बुजुर्ग व्यक्ति को अपेक्षाकृत संपन्न घर में भी अभाव का अनुभव हो सकता है. पेंशन उन्हें रिश्तेदारों पर अत्यधिक निर्भरता से बचने में मदद कर सकती है. लक्ष्यीकरण में जटिल औपचारिकताएं भी होती हैं, जैसे बीपीएल प्रमाणपत्र और अन्य दस्तावेज जमा करना. औपचारिकताएं विशेषकर गरीब या कम पढ़े-लिखे बुजुर्गों के लिए मुश्किल होती हैं, जिन्हें पेंशन की सबसे बड़ी आवश्यकता है.

विज्ञान की बाते : 200 मिलियन वर्षों में पृथ्वी का क्या होगा? जानिए वैज्ञानिकों का क्या कहना है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अगले 200 से 300 मिलियन वर्षों में - जैसे-जैसे प्रशांत महासागर सिकुड़ता जाएगा - एशिया एक नया भूभाग बनाने के लिए अमेरिका से टकराएगा - एक सुपरकॉन्टिनेंट जिसे वैज्ञानिकों ने 'अमासिया' करार दिया है। ऑस्ट्रेलिया के कर्टिन विश्वविद्यालय और चीन में पेकिंग विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने भविष्य की भूमि संरचनाओं के मॉडल के लिए एक सुपर कंप्यूटर का उपयोग किया और पाया कि टेक्टोनिक प्लेटों में बदलाव के परिणामस्वरूप अंततः अमेरिका के साथ एशिया की टक्कर हो सकती है।₹पिछले दो अरब वर्षों में, पृथ्वी के महाद्वीप हर 600 मिलियन वर्षों में एक सुपरकॉन्टिनेंट बनाने के लिए एक साथ टकराए हैं, जिसे सुपरकॉन्टिनेंट चक्र के रूप में जाना जाता है। इसका मतलब है कि वर्तमान महाद्वीप कुछ सौ मिलियन वर्षों में फिर से एक साथ आने वाले हैं,₹ कहा हुआ नेशनल साइंस रिव्यू में प्रकाशित पेपर के मुख्य लेखक डॉ चुआन हुआंग।₹हमारे परिणाम अटलांटिक और भारतीय महासागरों को बंद करके या तो आर्कटिक और कैरेबियन समुद्रों को बंद करके या तो अंतर्मुखता के माध्यम से

भविष्य के सुपरकॉन्टिनेंट अमासिया को इकट्ठा करने की संभावना को रोकते हैं। इसके बजाय, अमासिया में केवल प्रशांत महासागर के बंद होने के कारण एक बहिर्मुखता विधानसभा हो सकती है समय के साथ महासागरीय स्थलमंडल का कमजोर होना।

केदारनाथ से 6 किमी दूर पहाड़ों में फंसे 2 ट्रेकर्स, 1 की मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में लगातार बर्फबारी होने के कारण। सरकार पर्यटकों को इस मौसम में ट्रैकिंग और हिल स्टेशन पर न जाने का अनुरोध कर रही है, लेकिन उसके बावजूद लोग जान जोखिम में डालकर ऐसे स्थानों पर जा रहे हैं। उत्तरकाशी के द्रौपदी का डांडा हादसे के बाद अब रांसी-महापंथ-केदारनाथ ट्रैक पर फंसे बंगाल के दो ट्रैकर में एक की मौत हो गई है, जबकि दूसरे को बचा लिया गया है। 10 ट्रैकर्स का ग्रुप यात्रा पर निकला था, लेकिन रास्ते में दो ट्रैकर्स की तबीयत बिगड़ गई, जिसके चलते फंस गए थे। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि भारी हिमपात के कारण बचाव दल वापस लौटा था. फिर से रेस्क्यू टीम पहुंची और एक ट्रैकर को रेस्क्यू कर लिया गया, जबकि दूसरे की मौत हो गई. दोनों ट्रेकर्स केदारनाथ से 6 किमी दूर फंसे हुए थे।उन्होंने बताया कि बंगाल की 10 सदस्यीय टीम 2 अक्टूबर को रांसी होते हुए महापंथ केदारनाथ ट्रैक पर रवाना हुई थी. 10 ट्रैकर्स में से 8 सुरक्षित बाहर आ गए थे, लेकिन उनमें से दो फंस गए, जिसमें एक की मौत हो गई, जबकि दूसरे को बचा लिया गया है.वहीं इससे पहले नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के प्रशिक्षु व प्रशिक्षक डंडा में उत्तरकाशी की द्रौपदी के हिमस्खलन में फंस गए थे. इसमें अब तक 27 शव बरामद किए जा चुके हैं। वहीं, 2 अभी भी लापता हैं।

इन प्रतियोगिताओं से कई उदीयमान खिलाड़ी उभर कर आएंगे : विधायक हरिद्वार मदन कौशिक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार, 11 अक्टूबर। विधायक हरिद्वार मदन कौशिक ने मंगलवार को ज्वालापुर इण्टर कॉलेज, बहादराबाद में 11 से 13 अक्टूबर,2022 तक आयोजित होने वाले त्रि-दिवसीय जनपदीय प्रारम्भिक शिक्षा एथलेटिक्स एवं सांस्कृतिक क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये विधायक मदन कौशिक ने प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे बालक-बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुये कहा कि आज हरिद्वार सहित पूरे उत्तराखण्ड के सभी जनपदों में इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन पूरे हर्ष एवं उल्लास के वातावरण में किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं के आयोजन से स्वस्थ वातावरण का सृजन होता है, जो हमें आगे बढ़ने के लिये प्रेरित करता है। मदन कौशिक ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य बनने के बाद से विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में वन्दना कटारिया जैसे अन्य कई उदीयमान खिलाड़ी उभर कर सामने आ रहे हैं तथा आप लोग भी उसी कतार में खड़े हैं, जो विभिन्न खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर उभर कर सामने आयेंगे तथा प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करेंगे। इस मौके पर प्रतियोगिता में भाग लेने आये जनपद के सभी ब्लॉकों-बहादराबाद, रूड़की, खानपुर, लक्सर, भगवानपुर, नारसन के बालक-बालिकाओं ने बैण्ड की मधुर धुन के बीच शानदार मार्च पास्ट का प्रदर्शन किया तथा लक्सर की सोनाक्षी ने मशाल के साथ पूरे खेल मैदान का चक्कर लगाया। इसके पश्चात प्रतियोगिताओं के आयोजन में पूरा सहयोग देने के उद्देश्य से सभी को शपथ भी दिलाई गयी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत राजकीय कन्या इंटर कॉलेज ज्वालापुर की छात्राओं ने सरस्वती वन्दना, आनन्दमयी सेवा सदन की छात्राओं ने स्वागत गीत तथा मां गंगा के अवतरण के प्रसंग का मंचन के अलावा विभिन्न सांस्कृतिक दलों ने मनमोहक नृत्य एवं गीतों की प्रस्तुति दी।

बॉर्डर पार से आई प्यार की अनोखी कहानी

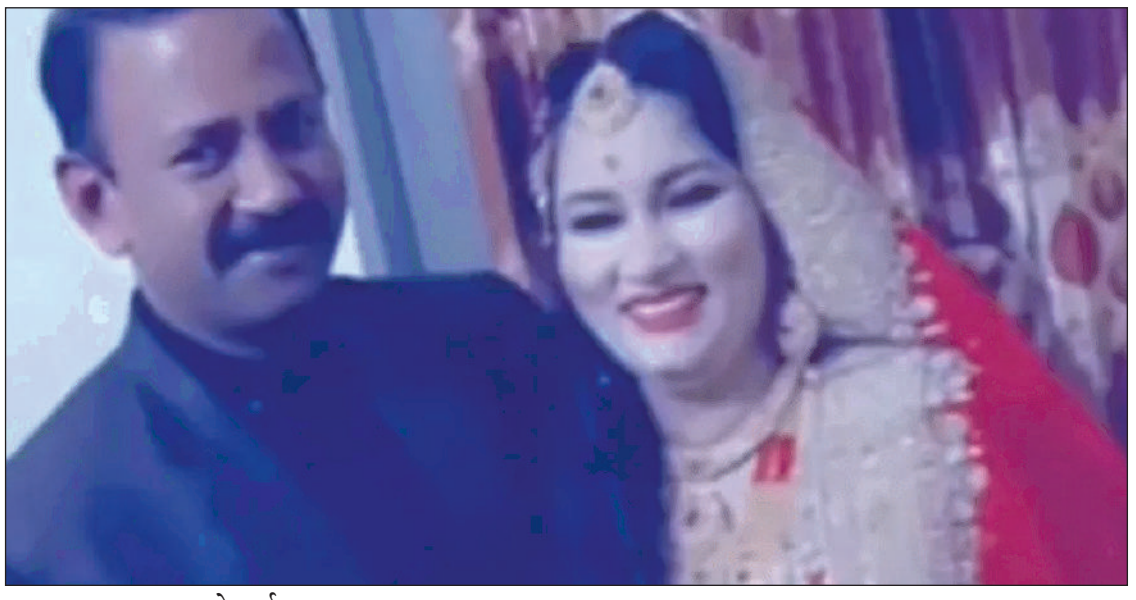

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 अक्टूबर , प्यार की ना कोई उम्र होती है और ना ही कोई सीमा. इंसान को कभी भी प्यार हो सकता है. फिलहाल, सोशल मीडिया पर 56 साल के एक ऐसे ही पाकिस्तानी शख्स की लव स्टोरी खूब चर्चा में है. 11 बच्चों के इस पिता ने एक नहीं दो नहीं, बल्कि पांच-पांच शादियां कर डाली. इस शख्स की 10 बेटियां और एक बेटा है. जिनमें से आठ बेटियों की शादी हो चुकी है और बेटा भी शादीशुदा है. दिलचस्प बात ये है कि बेटियों ने ही पिता के लिए नई दुल्हन ढूंढी है. यूट्यूब पर इस अनोखी लव स्टोरी का वीडियो खूब वायरल हो रहा है.

यूट्यूब चैनल डेली पाकिस्तान ग्लोबल के मुताबिक, शौकत नाम के इस शख्स का कहना है कि वह शादी नहीं करना चाहता था. लेकिन दो बेटियों के जिद के आगे वो हार गया. शौकत ने बताया कि उनकी आठ बेटियों की शादी हो चुकी है. घर में दो ही बेटियां बची थीं. शादी के बाद घर सूना हो जाता, इसलिए बेटियां उनकी पांचवीं शादी के पीछे पड़ गईं. शौकत के मुताबिक, दोनों बेटियों ने ही उनके लिए लड़की ढूंढी और शादी भी उसी दिन कराई जिस दिन उन दोनों की थी.शौकत ने बताया कि उनकी चारों पत्नियों का निधन हो चुका है.

नई शादी पर बात करते हुए शौकत कहते हैं, हर किसी को नहीं मिलता यहां प्यार जिंदगी में, मुझे तो 5-5 मिला. उन्होंने आगे कहा, 'बेटियों की ख्वाहिश थी कि मैं दोबारा शादी करूं, क्योंकि मुझे भी तो अपनी जिंदगी गुजारनी है. इसलिए मैंने भी हां कर दी.' बता दें कि शौकत का परिवार काफी बड़ा है. उनके 40 नाती-पोते हैं. पूरी फैमिली में कुल 62 मेंबर हैं. पूरा परिवार मिलजुलकर रहता है. वहीं, शौकत की नई पत्नी को भी इतने बड़े परिवार से कोई परेशानी नहीं है.शौकत ने बताया कि एक पहर में उनके यहां पूरे परिवार के लिए करीब 100 रोटियां बनाई जाती हैं. इसे लेकर पत्नी को भी कोई परेशानी नहीं है. वह कहती हैं, मुझे बड़ा परिवार पसंद है. मैं भी धीरे-धीरे पूरी तरह से एडजस्ट हो जाऊंगी.

आईआईटी रुड़की में 'Rock and Fluid Multi-Physics Laboratory' की स्थापना हुई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुड़की , 11 अक्टूबर । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, (आईआईटी रुड़की) अत्याधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने रॉक एंड फ्लुइड मल्टीफिजिक्स लेबोरेटरी' नामक एक अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन करके भविष्य का नेतृत्व करने की अपनी खोज में एक और बड़ी छलांग लगाई है.

यह प्रयोगशाला हाइड्रेट्स और भूतापीय प्रणालियों सहित नियमित और जटिल संरचनाओं में तेल और गैस जलाशय की विशेषता चुनौतियों का सामना कर सकती है. प्रयोगशाला में कार्बनिक-समृद्ध संसाधनों, कार्बोनेट्स, कोयले, खारा जलभृत, कोयले और ज्वालामुखी चट्टानों जैसे संरचनाओं के लिए कार्बन उपयोग और भंडारण व्यवहार्यता अध्ययन भी किया जा सकता है.

प्रयोगशाला का उद्घाटन पद्म भूषण डॉ विजय कुमार सारस्वत, माननीय सदस्य, नीति आयोग, प्रो अजीत के चतुर्वेदी, निदेशक, आईआईटी रुड़की, प्रो मनोरंजन परिदा, उप निदेशक, आईआईटी रुड़की, और प्रो अक्षय द्विवेदी, डीन SRIC, IIT रुड़की की उपस्थिति में किया गया. प्रो. मनिका प्रसाद, कोलोराडो स्कूल ऑफ माइन्स, यूएसए, प्रो. आनंद जोशी, हेड अर्थ साइंसेज, और आईआईटी रुड़की के अन्य सम्मानित संकाय सहयोगी और छात्र भी उद्घाटन समारोह में शामिल हुए.प्रोफेसर रवि शर्मा, पीएच.डी, प्रभारी ने कहा, ₹रॉक एंड फ्लुइड मल्टी-फिजिक्स लेबोरेटरी, आईआईटी रुड़की, ने कहा, ₹प्रयोगशाला में, हम चट्टानों, तरल पदार्थों के बहु-भौतिक गुणों की जांच के लिए रॉक फिजिक्स मॉडलिंग के साथ-साथ प्रयोग करते हैं. नीति आयोग के सदस्य डॉ. विजय कुमार सारस्वत ने कहा, ₹यह प्रयोगशाला कार्बन पृथक्करण के प्रयासों और प्रयोगशाला में सृजित व्यवहार्यता मॉडल की सहायता से संबंधित प्रभावों की एक अच्छी समझ के लिए एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन होगी.₹

आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. अजीत के चतुर्वेदी ने कहा, ₹आईआईटी रुड़की में द रॉक एंड फ्लुइड मल्टी-फिजिक्स लेबोरेटरी हिमालय पर्वत श्रृंखलाओं और ओएनजीसी के मुख्यालय के बहुत करीब स्थित है. यह प्रयोगशाला पेट्रोलियम इंजीनियरिंग पेशे, भूजल अन्वेषण में महत्वपूर्ण योगदान देगी. यह ऊर्जा की खोज में एक स्थायी दृष्टिकोण की दिशा में मदद करेगा."

एमएसएमई और खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड युवाओं को रोजगार देने का महत्वपूर्ण उपक्रम : चंदन राम दास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 अक्टूबर। प्रदेश के लघु एवं सूक्ष्म मध्यम उद्यम मंत्री, चन्दन राम दास द्वारा विधानसभा स्थित कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ लघु एवं सूक्ष्म मध्यम उद्यम विभाग की समीक्षा बैठक की गई।मंत्री ने कहा कि एमएसएमई और खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड उत्तराखण्ड में युवाओं को रोजगार प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण उपक्रम है।मंत्री ने एमएसएमई पालिसी में नये बदलाव हेतु प्रस्ताव पर अधिकारियों से चर्चा करते हुए कहा कि हमें यूपी की तर्ज पर एमएसएमई पालिसी को और बेहतर बनाने की दिशा में आवश्यक प्रयास करने होंगे।मंत्री ने कहा कि हमें स्थानीय उत्पादों को एमएसएमई के माध्यम से बढ़ावा देने हेतु बेहतर कार्ययोजना बनानी होगी जिससे शहरी क्षेत्र के साथ-साथ पर्वतीय क्षेत्रों में भी स्थानीय स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा तथा पलायन को रोकने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि हम पर्वतीय क्षेत्रों में फूड पार्क बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। मंत्री ने कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन देने हेतु कार्ययोजना बनाने तथा कृषि से जुड़े उत्पादों द्वारा भी स्वरोजगार बढ़ाने हेतु इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि हमें अधिक से अधिक युवाओं को सीएम स्वरोजगार योजना से जोड़ने का प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि हमें पर्वतीय क्षेत्रों में फलों पर आधारित उपक्रमों को लगाने हेतु कार्ययोजना बनानी होगी और उद्योगों का विस्तार पर्वतीय क्षेत्रों में करने की दिशा में कार्य करना होगा।मंत्री ने कहा कि हम एनएमसी द्वारा वितरित चरखों को सौर ऊर्जा आधारित बनाने हेतु प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हम बुनकर/काश्तकारों की संख्या बढ़ाकर स्वरोजगार के क्षेत्र में अवसर पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में जल्द ही एमएसएमई के क्षेत्र में लगभग 2000 करोड़ का निवेश प्रस्तावित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्थानीय उत्पादों के साथ-साथ कीवी, मशरूम जैसे उत्पादों हेतु 112 ग्रोथ सेंटर स्थापित किये गये हैं। उन्होंने कहा कि हम प्रगति मैदान में जल्द ही इंवेस्टरों को लेकर एक सेमिनार आयोजित करने जा रहे हैं जिससे स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिल सकेगा।मंत्री ने कहा कि हम जीआई प्रोडक्ट के माध्यम से खादी उत्पादों को देशभर में अग्रसर करने का काम करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मूल मंत्र "खादी इस ए नेशन, खादी इस ए फैशन" को साकार करते हुए इस मूल धारणा को स्वरोजगार परख बनाने की दिशा में राज्य सरकार दृढ़संकल्पित है। इस अवसर पर सचिव उद्योग, पंकज पाण्डे, सीईओ खादी बोर्ड, रोहित मीणा, निदेशक उद्योग, सुधीर नौटियाल, तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा